Inspira-Journal of Commerce, Economics & Computer Science (JCECS)
ISSN : 2395-7069 (Impact Factor : 2.0546) Volume 03, No. 01, January - March, 2017, pp. 317-322

स्थानीय शासन में नेतृत्व का मूल्यांकन

कोमल पारीक*

वर्तमान प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जनता और सरकार के मध्य की कडी के रूप में जन प्रतिनिधि अपना स्थान रखते है। जन प्रतिनिधि ही जन इच्छाओं एवं आकांशाओं को अभिव्यक्त करने और उन्हे पूरा करने का माध्यम है। अतः इन जन प्रतिनिधियों के कंधों पर व्यापक जिम्मेदारियां है। इन उत्तरदायित्वों का सुचारू रूप से संचालन करना इन प्रतिनिधियों का परम कर्तव्य होता है। आम जन इन्हीं जन प्रतिनिधियों पर निर्भर रहकर ही अपनी बात को सरकार तक पहुॅचाने का कार्य करते है। इनकी योग्यता एवं कार्यक्षमता पर ही नागरिकों एवं राज्य का विकास निर्भर करता है। अतः इन नेतृत्व कर्ताओं की अपने कार्य क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है इसी विचार के तहत इस आलेख में शहरी एवं ग्रामीण जन प्रतिनिधियों की भागीदारी का मूल्यांकन करने का प्रयास किया गया है।

इस आलेख को अधिक सारगर्भित बनाने के लिए नेतृत्व की (जनप्रतिनिधियों) राजनीतिक पृष्ठभूमि एवं जन प्रतिनिधि किस दल का सदस्य है, स्थानीय नियमों से संबंधित जानकारी एवं चुनाव लड़ने की प्रेरणा कैसे मिली आदि। ऐसी ही विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान व इनको आकलन करने का प्रयास किया गया है। क्योंकि जब नींव मजबूत होगी तब ही उस पर खड़े भवन की मजबूती का अनुमान लगाया जा सकता है।

प्रस्तुत लेख का उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि जनप्रतिनिधियों में पुरूष ही नहीं बल्कि महिलाओं ने भी बढ–चढकर भाग लिया है। साथ ही यह भी आकलन किया गया है कि जनप्रतिनिधियों में नगरीय तथा ग्रामीण दोनों ही प्रकार की शासन व्यवस्था में शिक्षा के स्तर को मूल्यांकित करने का प्रयास किया गया है। इस नेतृत्व के मूल्यांकन के लिये शोधार्थी ने एक नगर परिषद, नगरीय शासन के लिये तथा ग्रामीण शासन के लिये विभिन्न ग्राम पंचायतों का सर्वेक्षण किया, इस सर्वेक्षण के तथ्य निम्नानुसार हैः–

1. जेन्डर, क्षेत्र और राजनीतिक दल की सदस्यता के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण

क्षेत्रीय प्रकृति			किसी राजनीतिक दल के सदस्य है ?			योग
			हाँ	नहीं	कह नहीं सकते	
शहरी	जेन्ड़र	पुरुष शहरी	28	0	0	28
			100.0%	0%	0%	100.0%
			70.0%	0%	0%	70.0%
		महिला	12	0	0	12
			100.0%	0%	0%	100.0%
			30.0%	0%	0%	30.0%
	योग		40	0	0	40
			100.0%	0%	0%	100.0%
			100.0%	0%	0%	100.0%
ग्रामीण	जेन्ड़र	पुरुष	13	8	2	23
			56.5%	34.8%	8.7%	100.0%
			68.4%	42.1%	100.0%	57.5%
		महिला	6	11	0	17
			35.3%	64.7%	0%	100.0%
			31.6%	57.9%	0%	42.5%
	योग		19	19	2	40

* शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, पेसिफिक विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान।

			47.5%	47.5%	5.0%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
योग	जेन्ड़र	पुरुष	41	8	2	51
			80.4%	15.7%	3.9%	100.0%
			69.5%	42.1%	100.0%	63.8%
		महिला	18	11	0	29
			62.1%	37.9%	0%	100.0%
			30.5%	57.9%	0%	36.3%
	योग		59	19	2	80
			73.8%	23.8%	2.5%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

तालिका में अध्ययन हेतु चयनित उत्तरदाताओं की राजनीतिक पृष्ठभूमि कैसी है यह जानने के लिए जब उनसे यह पूछा गया कि क्या वे किसी राजनीतिक दल के सदस्य है तो कुल 23.8 उत्तरदाताओं ने इसमें साफ इंकार किया। जबकि 73.8 प्रतिशत उत्तरदाता राजनीतिक दल के सदस्य है। राजनीतिक दल के सदस्यों में 100 प्रतिशत उत्तरदाता शहरी क्षेत्र के है जबकि ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे उत्तरदाताओं की संख्या 47.5 ही है। इसी तरह जो उत्तदाता किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं है उनमें ग्रामीण क्षेत्र के उत्तरदाताओं का प्रतिशत 47.5 है। इसी तरह शहर क्षेत्र के जो कुल 40 उत्तरदाता हैं उनमें से 82 प्रतिशत उत्तरदाता की न किसी दल से जुड़े है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 70 प्रतिशत उत्तरदाता अपने समग्र (68) में से राजनीतिक दल की सदस्यता रखते है। अतः स्पष्ट है कि तुलनात्मक रूप से ग्रामीण क्षेत्र का नेतृत्व राजनीतिक दल से जुडता हुआ नहीं है, जबकि शहरी क्षेत्र का नेतृत्व स्वयं को राजनीतिक रूप से जोड़े हुए है जो कि उनके नेतृत्व की क्षमता पर प्रभाव डालता हैं। यहीं स्थिति जेंडर के आधार पर देखे तो भी पता चलता है कि कुल पुरूष उत्तरदाताओं 51 में से 80.4 पुरूष उत्तरदाता राजनीतिक दल की सदस्यता रखते है, जबकि कुल महिला उत्तरदाताओं 29 में से मात्र 62.1 महिलाएं ही राजनीतिक दल की सदस्य है। यह तथ्य ध्यान योग्य है कि शहरी एवं ग्रामीण दोनों ही स्तरों पर पुरूष उत्तरदाता दल के सदस्य है जबकि महिलाएं समग्र रूप से राजनीतिक दल की सदस्य नहीं है जहाँ शहरी क्षेत्रों में कुल 12 महिला उत्तरदाताओं में से सभी महिला उत्तरदाता स्वयं को राजनीतिक दल से जड़ा बताती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 17 उत्तरदाता महिलाओं में 35.3 प्रतिशत महिलाएं ही स्वयं को राजनीतिक दल से सम्बन्धित मानती है स्पष्ट है कि शहरी महिलाएँ ग्रामीण महिलाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक राजनीति मे सक्रिय है।

2. जेन्डर और क्षेत्र के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण

क्षेत्रीय प्रकृति			किस राजनीतिक दल के सदस्य है ?			योग
			कुछ नहीं	बीजेपी	कांग्रेस	
शहरी	जेन्ड़र	पुरुष	0	21	7	28
			0%	75.0%	25.0%	100.0%
			0%	67.7%	77.8%	70.0%
		महिला	0	10	2	12
			0%	83.3%	16.7%	100.0%
			0%	32.3%	22.2%	30.0%
	योग		0	31	9	40
			0%	77.5%	22.5%	100.0%
			0%	100.0%	100.0%	100.0%
ग्रामीण	जेन्ड़र	पुरुष	10	8	5	23
			43.5%	34.8%	21.7%	100.0%
			47.6%	57.1%	100.0%	57.5%
		महिला	11	6	0	17
			64.7%	35.3%	.0%	100.0%
			52.4%	42.9%	.0%	42.5%
	योग		21	14	5	40
			52.5%	35.0%	12.5%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
योग	जेन्ड़र	पुरुष	10	29	12	51
			19.6%	56.9%	23.5%	100.0%

			47.6%	64.4%	85.7%	63.8%
		महिला	11	16	2	29
			37.9%	55.2%	6.9%	100.0%
			52.4%	35.6%	14.3%	36.3%
	योग		21	45	14	80
			26.3%	56.3%	17.5%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त **तालिका में** दर्शाति है कि चयनित उत्तरदाताओं की राजनीतिक पृष्ठभूमि क्या है वे किस दल से संबंध रखते है कुल उत्तरदाताओं से जब पूछा गया तो 26.3 प्रतिशत उत्तरदाता किसी दल से संबंध नही रखते जबकि सबसे ज्यादा 56.3 प्रतिशत उत्तरदाता भारतीय जनता पार्टी (बी.जे.पी) से तथा सबसे कम 17.5 प्रतिशत कांग्रेस से सम्बंध रखते है अर्थात सदस्य है। जेण्डर के आधार पर देखा गया तो पाया कि कुल पुरूष उत्तरदाता 51 मे से 19.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किसी भी दल की सदस्यता नही होना बताया जबकि 56.9 प्रतिशत बीजेपी तथा 23.5 कांग्रेस दल के सदस्य होना स्वीकार किया। क्षेत्रीय आधार पर जब अध्ययन किया गया तो पाया गया कि नगरीय निकाय के किसी भी सदस्य ने निर्दलीय होना नहीं स्वीकार किया कुल 40 उत्तरदाताओं मे से 77.5 प्रतिशत बीजेपी तथा 22.5 प्रतिशत क्रांग्रेस के सदस्य होना स्वीकार किया। जबकि ग्रामीण उत्तरदाताओं में कुल 40 में से 52.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किसी भी दल के सदस्य नही होने की बात स्वीकार की। जबकि 35.0 प्रतिशत बीजेपी व 12.5 प्रतिशत कांग्रेस दल के सदस्य है। यदि शहरी पुरूष उत्तरदाताओं पर अध्ययन किया गया तो पाया कि कुल शहरी पुरूष उत्तरदाता 28 में से 75 प्रतिशत बीजेपी व 25 प्रतिशत कांग्रेस दल के सदस्य वाले थे जबकि शहरी महिला 12 मे से 83.3 प्रतिशत बीजेपी व 16.7 प्रतिशत कांग्रेस दल की सदस्य थी जबकि नगरीय नेतृत्व में कोई भी उत्तरदाता निर्दलीय नहीं है। जबकि ग्रामीण पुरूष उत्तरदाताओं की बात करे तो कुल उत्तरदाता 23 मे से 34.8 प्रतिशत बीजेपी व 21.7 प्रतिशत कांग्रेस दल के सदस्य है। जबकि सबसे ज्यादा 43.5 उत्तरदाता किसी भी दल के सदस्य नहीं है। इसी प्रकार ग्रामीण महिला उत्तरदाताओं कुल 17 में से 35.3 प्रतिशत बीजेपी की सदस्य है। तथा क्रांग्रेस दल की कोई भी सदस्य नही है। तथा सबसे ज्यादा 64.7 प्रतिशत उत्तरदाता किसी भी दल की सदस्य नहीं है। सारांशतः कहा जा सकता है, कि नगरीय नेतृत्व से जुड़े लोग किसी न किसी दल के सदस्य है। जबकि ग्रामीण नेतृत्व से जुड़े लोग राजनीतिक दल से सम्बंध कम रखते है।

3. जेन्डर, क्षेत्र और चुनाव प्रेरक के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण

क्षेत्रीय प्रकृति			चुनाव की प्रेरणा किससे मिली ?					योग
			स्व प्रेरित	परिवार से	क्षेत्रवासियों से	दल से	अन्य	
शहरी	जेन्ड़र	पुरुष	4	4	17	1	2	28
			14.3%	14.3%	60.7%	3.6%	7.1%	100.0%
			100.0%	36.4%	81.0%	50.0%	100.0%	70.0%
		महिला	0	7	4	1	0	12
			.0%	58.3%	33.3%	8.3%	0%	100.0%
			.0%	63.6%	19.0%	50.0%	0%	30.0%
	योग		4	11	21	2	2	40
			10.0%	27.5%	52.5%	5.0%	5.0%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
ग्रामीण	जेन्ड़र	पुरुष	5	3	15	0	0	23
			21.7%	13.0%	65.2%	0%	0%	100.0%
			100.0%	27.3%	62.5%	0%	0%	57.5%
		महिला	0	8	9	0	0	17
			0%	47.1%	52.9%	0%	0%	100.0%
			0%	72.7%	37.5%	0%	0%	42.5%
	योग		5	11	24	0	0	40
			12.5%	27.5%	60.0%	0%	0%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	0%	0%	100.0%
योग	जेन्ड़र	पुरुष	9	7	32	1	2	51
			17.6%	13.7%	62.7%	2.0%	3.9%	100.0%
			100.0%	31.8%	71.1%	50.0%	100.0%	63.8%
		महिला	0	15	13	1	0	29

			0%	51.7%	44.8%	3.4%	.0%	100.0%
			0%	68.2%	28.9%	50.0%	.0%	36.3%
	योग		9	22	45	2	2	80
			11.3%	27.5%	56.3%	2.5%	2.5%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

तालिका में दर्शाते है कि नेतृत्व करने के लिए प्रतिनिधी को प्रेरणा किससे मिली जब उत्तरदाताओं से बात की गई तो कुल 80 उत्तरदाताओं मे से पाया गया कि 9 प्रतिशत उत्तरदाता स्वप्रेरित तथा 22 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने परिवार से व 2 प्रतिशत ने दल से और 2 प्रतिशत ने अन्य तथा सर्वाधिक 45 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने क्षेत्रवासियों को अपना प्रेरक बताया। केवल पुरूष उत्तरदाता की बात करे तो कुल 51 उत्तरदाताओं मे से 17.6 प्रतिशत उत्तरदाता स्वप्रेरित तथा 13.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने परिवार से व 3.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अन्य व 2 प्रतिशत ने दल को व सबसे अधिक 62.7 प्रतिशत ने क्षेत्रवासियों को अपना प्रेरक बतायां वहीं महिला उत्तरदाता कुल 29 मे से 44.8 प्रतिशत क्षेत्रवासियों को तथा सबसे ज्यादा अपने परिवार की प्रेरणा से चुनाव लड़ना स्वीकार किया। क्षेत्रीय आधार पर देखे तो कुल शहरी 40 उत्तरदाताओं मे से 10 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वप्रेरित, 27.5 प्रतिशत ने परिवार 5–5 प्रतिशत ने दल व अन्य तथा 52.5 प्रतिश लोगों ने क्षेत्रवासियों को प्रेरक मानकर चुनाव लड़ा। ग्रामीण उत्तरदाताओं ने 12.5 प्रतिशत ने स्वप्रेरित होना तथा 27.5 प्रतिशत ने परिवार से व 60 ने क्षेत्रवासियों से प्ररित होकर चुनाव लडना स्वीकार किया।

4. जेन्डर, क्षेत्र और नियमों की जानकारी के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण

क्षेत्रीय प्रकृति			नियमों की जानकारी है ?			योग
			हाँ	नहीं	कह नहीं सकते	
शहरी	जेन्ड़र	पुरुष	26	2	0	28
			92.9%	7.1%	0%	100.0%
			78.8%	40.0%	0%	70.0%
		महिला	7	3	2	12
			58.3%	25.0%	16.7%	100.0%
			21.2%	60.0%	100.0%	30.0%
	योग		33	5	2	40
			82.5%	12.5%	5.0%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
ग्रामीण	जेन्ड़र	पुरुष	8	14	1	23
			34.8%	60.9%	4.3%	100.0%
			61.5%	53.8%	100.0%	57.5%
		महिला	5	12	0	17
			29.4%	70.6%	0%	100.0%
			38.5%	46.2%	0%	42.5%
	योग		13	26	1	40
			32.5%	65.0%	2.5%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
योग	जेन्ड़र	पुरुष	34	16	1	51
			66.7%	31.4%	2.0%	100.0%
			73.9%	51.6%	33.3%	63.8%
		महिला	12	15	2	29
			41.4%	51.7%	6.9%	100.0%
			26.1%	48.4%	66.7%	36.3%
	योग		46	31	3	80
			57.5%	38.8%	3.8%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

तालिका मे उत्तरदाताओं, (स्थानीय नेतृत्व) की स्थानीय निकायों से संबंधित संवैधानिक व्यवस्था को लेकर कितनी जानकारी है। इस जागरूकता को देखने के लिए जब उत्तरदाताओं से यह पूछा गया कि उन्हें नियमों की जानकारी है अथवा नहीं तो 38.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इसकी जानकारी होने से इंकार किया। तुलनात्मक रूप से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उत्तरदाताओं में देखे तो जहाँ शहरी क्षेत्रों के कुल उत्तरदाताओं में से 89.5 उत्तरदाताओं को

इस व्यवस्था की जानकारी है, जबकि 12.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं इससे अंजान है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र के कुल उत्तरदाताओं में से केवल 32.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नियमों के बारे में जानकारी होना स्वीकारा जबकि 65 प्रतिशत उत्तरदाताओं नहीं इसी तरह शहरी उत्तरदाता ग्रामीण उत्तरदाता तुलना में ज्यादा जागरूक दिखें। यदि जेंडर के आधार पर देखे तो कुल पुरूष उत्तरदाताओं में से 41.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं को ही इसकी जानकारी है। यद्यपि महिलाओं का एक बड़ा समूह इन प्रावधानों से परिचित नहीं है तथापित महिलाओं की तुलना में पुरूष उत्तरदाता कुछ अधिक जानकारी रखते है।

5. जेन्डर, क्षेत्र और चुनावी सभाओं में सहभागिता के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण

क्षेत्रीय प्रकृति			चुनावी सभाओं में उपस्थिति रहती है ?		योग
			हाँ	नहीं	
शहरी	जेन्ड़र	पुरुष	27	1	28
			96.4%	3.6%	100.0%
			75.0%	25.0%	70.0%
		महिला	9	3	12
			75.0%	25.0%	100.0%
			25.0%	75.0%	30.0%
	योग		36	4	40
			90.0%	10.0%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%
ग्रामीण	जेन्ड़र	पुरुष	21	2	23
			91.3%	8.7%	100.0%
			77.8%	15.4%	57.5%
		महिला	6	11	17
			35.3%	64.7%	100.0%
			22.2%	84.6%	42.5%
	योग		27	13	40
			67.5%	32.5%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%
योग	जेन्ड़र	पुरुष	48	3	51
			94.1%	5.9%	100.0%
			76.2%	17.6%	63.8%
		महिला	15	14	29
			51.7%	48.3%	100.0%
			23.8%	82.4%	36.3%
	योग		63	17	80
			78.8%	21.3%	100.0%
			100.0%	100.0%	100.0%

तालिका में नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधीयों की अन्य चुनावी समाओं में सहभागिता को दर्शाति है। इस तालिका में चुनावी सभाओं की उपस्थिति दर्शायी गयी है। कुल उत्तरदाताओं में से 78.8 प्रतिशत चुनावी सभाओं में उपस्थित रहते हैं। व 21.3 प्रतिशत नहीं। जेण्डर के आधार पर जब देखा गया तो पाया कि कुल पुरूष उत्तरदाताओं में 94.1 प्रतिशत ने उपस्थिति दर्ज कराई वहीं केवल 5.9 प्रतिशत ने अपनी उपस्थिति नहीं दर्ज करवायी। महिला उत्तरदाताओं कि बात करे तो कुल महिला उत्तरदाताओं में से 51.7 प्रतिशत ने उपस्थिति दर्ज की वही 48.3 प्रतिशत ने नहीं। इसी प्रकार क्षेत्रीय आधार पर देखा तो नगरीय उत्तरदाताओं में से 91 प्रतिशत उत्तरदाता चुनावी सभा में उपस्थित रहते है जबकि केवल 10 प्रतिशत नहीं रहते वही ग्रामीण उत्तरदाता में से 67.5 प्रतिशत ही चुनावी सभाओं मं उपस्थित रहते है। जबकि 32.5 प्रतिशत नहीं रहते। तुलनात्मक रूप में कहा जा सकता है कि नगरीय नेतृत्व चुनावी सभाओं में ग्रामीण नेतृत्व की तुलना में अधिक सक्रिय रहता हैं।

अंततः शोधार्थी को सर्वेक्षण द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि वर्तमान में महिला जनप्रतिनिधियों की तुलना में पुरूष जनप्रतिनिधि अधिक जागरूक एवं चेतना रखते हैं। शहरी और ग्रामीण जनप्रतिनिधियों पर यह तथ्य पूर्णतः लागू होता है। अतः आवश्यकता है कि– महिलाओं में और अधिक राजनीतिक चेतना जागृत करने की आवश्यकता है। राजस्थान के पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं को अभी और अधिक संघर्ष करने की आवश्यकता है। पुरूषों को भी महिलाओं

पर भरोसा एवं महिलाओं की आत्मविश्वास की आवश्यकता ही एक समान राजनीतिक नेतृत्व में सहयोगी हो सकती है एवं स्थानीय शासन को एक बराबरी का नेतृत्व तभी प्राप्त होगा जब महिला एवं पुरूष परस्पर विश्वास रखेंगे।

सन्दर्भ सूची

1. सिसोदिया, डॉ. यतीन्द्र सिंह (2000) पंचायती राज एवं अनुसूचित जाति महिला नेतृत्व, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
2. जोशी आर.पी. (2007) भारतीय सरकार एवं राजनीति, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
3. शर्मा बी.के. (2008) भारत का लोकतंत्र नई चुनौती, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. रानी, डा. नीतू (1998) पंचायती राज व्यवस्था एवं सिद्धांत।
5. कटारिया, डा. सुरेन्द्र (2007) पंचायती राज संस्थाएं, अतीत, वर्तमान व भविष्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
6. जोशी आर.पी. एवं भारद्वाज डा. अरूणा (2009) भारत में स्थानीय प्रशासन, हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।
7. सचदेवा प्रदीप (2012) भारत में स्थानीय सरकार प्रियसन्स प्रकाशन।
8. माहेश्वरी एस. आर. (1984) भारत में स्थानीय शासन नारायण अग्रवाल।
9. बाफना कमलकिशोर (1999) राजस्थान नगरपालिका बोर्ड कानून ट्रेडर्स जयपुर।
10. राजगुरू डा. मनोज (2013) अनुसुचित जाति जनजाति और पिछड़ा वर्ग क्लासिक पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
11. कुमावत ललित (2004) पंचायती राज. एवं वंचित महिला समुह का भारत उभरता नेतृत्व क्लासिकल पब्लिकेशन दिल्ली।

❑❑❑